

परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलगिंस' का हुआ वमिचन

चर्चा में क्यों?

28 जून, 2023 को झारखंड की राजधानी राँची के मांडर में भारतीय कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से आयोजित दोदविसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में 'शिक्षा की वैश्विक चुनौतियाँ और उसकी शिक्षा में पहुँच वषिय' पर चर्चा हुई तथा परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलगिंस' का वमिचन भी हुआ।

प्रमुख बदि

- इस सेमिनार में पदमशरी मुकुंद नायक, डॉ. डीएन सहि, डॉ. कमल कुमार बोस समेत अन्य गणमान्य लोगों ने परवेज़ शीतल की पुस्तक 'साइलेंट रोजेलगिंस' का वमिचन किया। इस पुस्तक की खासियत है कि यह पाँच भाषाओं में है।
- धनबाद के कतरासगढ़ के रहने वाले और वर्तमान में गरिडिह में पदस्थापति परवेज़ शीतल की पुस्तक विश्व की पाँच बड़ी भाषाओं में अनुवादित है। इसके तहत जर्मन, फ्रेंच, इटालियन, स्पैनिश, और टर्कशि में इस पुस्तक का अनुवाद हो चुका है।
- राँची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से शोधार्थी एवं प्रशिक्षु छात्रों को बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।
- भारतीय कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सचवि नतिनि पराशर ने कहा कि उनका प्रयास है कि संस्थान के विद्यार्थियों को हर तरह के कौशल से युक्त किया जाए, जिससे वह समाज में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें। संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण इलाके के लोगों को शक्ति कर समाज को सही दिशा देना है।
- इस दौरान ग्रीस की रानियों लौम्पौ एवं हवाई कगिडम की रानी नादिया हारीहरि व अन्य शिक्षाविदों ने भी वेबिनार के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये।

